भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3008

06.08.2021 को उत्तर के लिए

जैवविविधता डिजिटल अनुक्रमण सूचना

3008. श्री प्रतापराव जाधव:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री मनोज तिवारी:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री चन्द्र शेखर साहू:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री सुब्रत पाठक:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण ने गैर-लाभ अर्जक संगठनों/विश्वविद्यालयों के साथ जैवविविधता डिजिटल अनुक्रमण सूचना को मजबूत करने के लिए किसी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या जेड.एस.आई देश में डी.एन.ए. बारकोड के संबंध में सूचनाओं को मजबूत कर रहा है तथा विषाक्तता से संबंधित सवालों का हल खोज रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष तथा चालू वर्ष के दौरान जेड.एस.आई. द्वारा आबंटित/जारी की गई/उपयोग की गई राशि का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान जेड.एस.आई. को अपने कार्य निष्पादन में बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक/उपचारात्मक कार्रवाई की गई है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क) जी हां, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण (जेडएसआई) ने जैवविविधता डिजिटल अनुक्रमण सूचना को समृद्ध करने के लिए जून, 2020 में इंटरनेशनल बारकोड ऑफ लाईफ (आईबीओएल) निगम, कनाडा के साथ समझौता ज्ञापन (एनओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

(ख) जी हां, जेडएसआई देश में डीएनए बारकोड के संबंध में सूचनाओं को समृद्ध कर रहा है तथा वर्गिकी से संबंधित सवालों का हल खोज रहा है/ जेडएसआई ने दिनांक 31 मार्च, 2021 तक 7,186 डीएनए बारकोड सृजित किए हैं, जो पब्लिक डोमेन 'द बारकोड ऑफ लाईफ डाटा सिस्टम (बीओएलडी)' में उपलब्ध है।

जेडएसआई ने मार्च 2021 तक राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र (एनसीबीआई) में 1000 से अधिक अनुक्रमण सृजित करने में योगदान दिया है। इसके अतिरिक्त, जेडएसआई ने अपने डीएनए बारकोडिंग और डिजीटल अनुक्रमण सूचना के सृजन द्वारा वर्गिकी से संबंधित कई असमानताओं का हल खोजा है। जेडएसआई ने अन्य के साथ-साथ रेड पांडा की दो फाइलोजेनेटिक प्रजातियों, पैंगोलिन संरक्षण को अद्यतन बनाने, हिमालयी आईबेक्स में एलोपेट्रिक प्रजाति की मौजूदगी को अभिज्ञात किया है। उसने दो महसीर मछलियों को वैधीकृत भी किया, थ्रिप्स (इनेसेक्टा) के लिए विश्व का विशालतम डीएनए बारकोड लाईब्रेरी प्रस्तुत की है, मकड़ियों के लिए भारत का सबसे बड़ा डीएनए बारकोड लाईब्रेरी, भारत से आक्रामक पेस्ट थ्रिप्स, के लिए डीएनए बारकोडिंग साक्ष्य प्रदान किया, थ्रिप्स परविसपिनस (थ्रीपिडे: थाएसानोपटेरा), भारत आदि से 'टी मॉस्कीटो बग *हेलोपेलटिस थिवोरा* (मिरीडे: हेटरोपटेरा) की होस्ट संबंद्ध आनुवंशिक विविधता के लिए डीएनए बारकोड का साक्ष्य प्रस्तुत किया।

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान और चालू वर्ष में जेडएसआई को आबंटित, जारी की गई और उनके द्वारा उपयोग में लाई गई निधियों का ब्यौरा निम्नवत है:

वित्त वर्ष	बजट अनुमान (करोड़ रूपये में)	संशोधित अनुमान (करोड़ रूपये में)	उपयोग में लाई गई निधि (करोड़ रूपये में)
2018-19	66.54	67.80	67.30
2019-20	72.00	71.64	71.43
2020-21	72.00	60.30	60.12
2021-22	67.00	-	22.46 (15.07.2021 तक)

(घ) और (ड.) जी हां। निधियों में की गई कटौती के कारण जेडएसआई के प्राथमिक और गौण उद्देश्यों संबंधी कार्यकलाप प्रभावित हुए हैं, विशेष रूप से वनस्पतिजात विविधता के क्षेत्रीय सर्वेक्षण और संकटापन्न प्रजातियों की स्थिति से संबंधित सर्वेक्षण के साथ-साथ प्रशिक्षण और मॉलीक्यूलर सिस्टेमेटिक्स कार्य सहित क्षमता निर्माण से संबंधित कार्यकलाप।

तथापि, महामारी होने के बावजूद भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, जेडएसआई ने वर्ष 2021-22 के लिए क्षेत्रीय सर्वेक्षण शुरू किया है। 20 से अधिक क्षेत्रीय सर्वेक्षण किए गए हैं और देश के आठ सुरक्षित क्षेत्रों से वनस्पतिजात से संबंधित संग्रहण किए गए हैं। प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के भाग के रूप में, मई 2021 के दौरान, हाल ही में, 10 जेआरएफ की भर्ती केवल जेडएसआई के विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों में कार्य करने के माध्यम से उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए की गई है।

****